<u>सन्देश</u>

ओणम के पावन पर्व पर, मैं अपने सभी देशवासियों, विशेष रूप से देश और विदेश में रहने वाले केरल के भाइयों-बहनों को बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।

ओणम का त्योहार हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। साथ ही, यह नई फसल के आगमन पर प्रकृति के प्रति कृतज्ञता भाव दर्शाने का माध्यम भी है।

Covid-19 महामारी के संकट की इस घड़ी में, त्योहार और पर्व मनाते हुए हम सभी को समाज के कमजोर वर्ग के भाई-बहनों का ध्यान रखना है और सावधानी बरतते हुए अपने परिवार और समाज की रक्षा भी करनी है।

मेरी कामना है कि इस पर्व के माध्यम से हमारे देश में परस्पर सहयोग, सद्भाव और भाईचारे की भावना पुष्ट हो तथा हम सब, प्रकृति के साथ तादात्म्य बनाए रखते हुए सुखमय जीवन व्यतीत करें।

****